सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

दैनिक सांध्यकालीन

स्वराज इंडिया

कानपुर, शुक्रवार, 28 मार्च, 2025
वर्षः 02, अंकः 91, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

इनसाइड बांग्लादेश के हिंदुओं साथ एकजटता से खड़े रहने का ... » Pg02

» Pg12

विकसित भारत युवा संसद महोत्सव में 240 युवा विधान भवन में देंगे भाषण

इमरजेंसी लागूः एयरपोर्ट और स्टॉक मार्केट बंद

म्यांमार-बैंकॉक में भूकंप से मची तबाही, 12 की मौत

रिक्टर स्केल पर तीव्रता 7.7, बैंकॉक में 43 लोग लापता, चंद सेकंड में कई इमारतें गिरीं, दिल्ली एनसीआर समेत कई जिलो में भी दिखा असर

तबाही का मंजर

पांच देशों में हिली धरती

» कार्यालय संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

बैंकॉक/नई दिल्ली। म्यांमार में शुक्रवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। म्यांमार के बाद थाईलैंड, बांग्लादेश, भारत और चीन में भी भूकंप से धरती हिली। लेकिन, सबसे ज्यादा नुकसान म्यांमार और थाईलैंड में हुआ। भारी तबाही के बीच थाईलैंड के प्रधानमंत्री ने बैंकॉक में इमरजेंसी लगा दी है। वहीं भूकंप की वजह से म्यांमार की राजधानी में भी इमरजेंसी घोषित कर दी गई है। म्यांमार में 10 और थाईलैंड में 3 लोगों की मौत हो गई। दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में धरती हिलने से लोगों में दहशत फैल गई।

म्यांमार में भूकंप के कारण मांडले में एक मस्जिद के ढहने से कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में भीषण भूकंप आने के बाद एक इमारत के ढह जाने से दो लोगों की मौत हो गई, जबकि उसके मलबे में अब भी कई लोग फंसे हैं। थाईलैंड की आपात सेवा ने यह जानकारी दी।

नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक, भूकंप के झटके काफी तेज थे। झटकों से लोग दहशत में आ गए और अपने घरों-दफ्तरों से बाहर निकल आए। ये झटके इतने जबरदस्त थे कि थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में भी इन्हें महसूस किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के मुताबिक रिएक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 7.7 रही। भूकंप के तेज झटके की वजह से बैंकॉक और म्यांमार के शहरों में बड़ी-बड़ी इमारतें नाव की तरह हिलने लगी। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो वायरल हो रहा है। वायरल वीडियो में लोग चीखते-चिल्लाते हुए सड़कों पर भाग रहे हैं।

भूकंप की वजह से बैंकॉक में एक गगनचुंबी इमारत के गिरने की बात सामने आई है। रिपोर्ट के मुताबिक जो बिल्डिंग निर्माणाधीन था, जो भूकंप के झटके को सह नहीं पाया। भूकंप के बाद बैंकॉक में 43 लोग लापता हो गए हैं, इसके बाद से वहां इमरजेंसी का एलान किया गया। इसी तरह कई और वीडियो भूकंप के बाद के वायरल हो रहे हैं, जिसमें भूकंप के बाद के दहशत को देखा जा रहा है।

मस्जिद ढहने से 10 लोगों की मौत

कोलकाता, इंफाल, मेघालय के पूर्वी गारो हिल्स में हल्के झटके

बैंकॉक में 7.7 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आने के बाद शुक्रवार को कोलकाता, इंफाल और मेघालय के पूर्वी गारो हिल्स जिले में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र मध्य म्यांमार में था, जो मोनीवा शहर से लगभग 50 किलोमीटर पूर्व में है। कोलकाता और उसके आस-पास के इलाकों से भूकंप के झटके महसूस किए गए। मणिपुर के उखरुल जिले में दोपहर 1:07 बजे भूकंप आया, जिसकी तीव्रता 2.5 दर्ज की गई। मेघालय के पूर्वी गारो हिल्स जिले में भी हल्की तीव्रता का भूकंप आया।

बांग्लादेश में भी भूकंप के झटके हुए महसूस

बांग्लादेश में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। ढाका और चटगांव सहित बांग्लादेश के कई इलाकों में 7.3 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। हालांकि, अभी तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। बांग्लादेश मौसम विभाग के मुताबिक, दोपहर 12:25 बजे भूकंप आया, जिसका केंद्र बांग्लादेश सीमा के पास म्यांमार के मांडले में था। ढाका से भूकंप के केंद्र की दूरी 597 किलोमीटर बताई गई।

दक्षिण-पूर्व एशिया में शुक्रवार को आए दो तेज भूकंप के झटकों से जमकर तबाही हुई। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में कई इमारतें हिल गईं। इस दौरान एक निर्माणाधीन ऊंची इमारत देखते ही देखते धराशायी हो गई। बैंकॉक में ऊंची-ऊंची छतों वाले पूलों से पानी बहकर सड़कों पर आ गया और कई इमारतों से मलबा गिरने लगा। इसके अलावा शहर के साथ-साथ पड़ोसी म्यांमार में भी लोग दहशत में देखे गए। प्रारंभिक रिपोर्टों के मुताबिक, अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण और जर्मनी के जीएफजेड भूविज्ञान केंद्र ने बताया कि दोपहर के भूकंप का केंद्र म्यांमार में 10 किलोमीटर (6.2 मील) की गहराई में था।

वीडियो वायरल होने लगे

समाचार एजेंसी पीटीआई के मुताबिक, भूकंप के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल होने लगे। इसमें निर्माणाधीन इमारत ढहती हुई दिखाई दे रही थी। हालांकि, इसकी पुष्टि नहीं हो पाई है। अब तक किसी के हताहत होने की तत्काल कोई सूचना नहीं है।

भारत हर संभव सहायता के लिए तैयारः पीएम मोदी

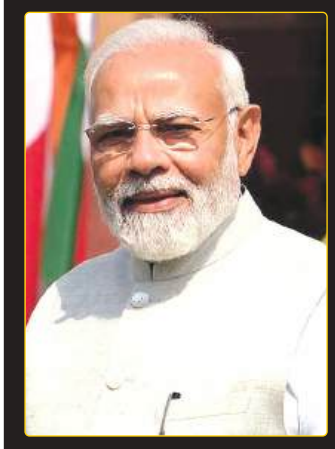

म्यांमार और थाईलैंड में भूकंप के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत की ओर से हरसंभव सहायता का आश्वासन दिया। पीएम मोदी ने एक्स पर लिखा कि म्यांमार और थाईलैंड में भूकंप के बाद की स्थिति से चिंतित हूं। सभी की सुरक्षा और खुशहाली के लिए प्रार्थना करता हूं। भारत हर संभव सहायता देने के लिए तैयार है। हमने अपने अधिकारियों से तैयार रहने को कहा है। साथ ही विदेश मंत्रालय से म्यांमार और थाईलैंड की सरकारों के साथ संपर्क में रहने को कहा है।

नोएडा, गाजियाबाद में भी दिखा असर

दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। नोएडा, गाजियाबाद और आसपास के कई इलाकों में धरती हिलने से लोगों में दहशत फैल गई। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, इस भूकंप का केंद्र म्यांमार की राजधानी बर्मा बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि 7.2 की तीव्रता से भूकंप आया था। हालाँकि, भारत में अभी तक किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है।

बांग्लादेश के हिंदुओं साथ एकजुटता से खड़े रहने का आह्वान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। औखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा बांग्लादेश में हिंद और अन्य अल्पसंख्यक समुदाया।पर इस्लामीं कट्टरपेथी तत्वों द्वारा लगातार हो रही सनियोजित हिंसा, अन्यायि जाउत्पाइन पर गहरी चिंता व्यक्त करती है। यह स्प् सरूप से मानवाधिकार हनन कागम्भीर विषय है बाग्लादेश में वर्तमा? सत्ता पलट के सभय मठ-मंदिरों, द्वा पूजा पंडालों आरशक्षण संस्थानों पर आक्रमण, मूर्तियों का अनादर, नृशंस हत्याएँ , संपत्ति की लूट,महिलाओं के अपहरण और अत्याचार, बलात्बलात् मतांतरण जैसी अनेक घटनाएँलगातार सामने आ रही हैं। इन घटनाओं को केवल राजनीतिक बताकर इनके से जहबी पक्ष को नकारना सत्य से मंह मोडते जैसा होगा, क्योंकि अधिकतर पीत,हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों से ही हैं बाग्लादेश में हिंदु समाज, विशेष खूप से अनुसचित जाति तथा जनजाति समाज काइस्लामी कट्रपंथी तत्वों द्वारा उत्पीड़न कोई नई वात नहीं है। वांग्लादेश में हिन्दुओंकी निरंतर घटती जनसंख्या (1951 में 22 प्रतिशत से वर्तमान में 7.95 प्रतिशत)दर्शाती है कि उनके सामने अस्तित्व का संकट है। विशेषकर, पिछले वर्ष की हिंसाऔर घृणा को जिस तरह सरकारी और संस्थागत समर्थन मिला, वह गंभीर चिंता,का विषय है। साथ ही, बाग्लादेश से लगातार हो रहे भारत-विरोधी वक्तव्य दोनों देशों के सम्बन्धों को गहरी सकते हैं ।

कुछ अंतरराष्ट्रीय शक्तियाँ जानबूझकर भारत के पड़ोसी क्षेत्रों में अविश्वास और

टकराव का वातावराण वनाते हुए एक देश को दूसर के विरुद्ध खड़ा कर अस्थिरता फैलाने का प्रयास कर रही हैं। प्रतिनिधि सभा, चिंतनशील वर्गों और अंतरराष्ट्रीयमामलों से जुड़े विशेषज्ञों से अनुरोध करती है कि वे भारत विरोधी

बांग्लादेश,पाकिस्तान तथा डीप स्टेट की सक्रियता प्र दृध्रखे और इन्हें उजागर करें।प्रतिनिधि सभा इस तथ्य को रेखांकित करना चाहती हैं कि इस सारे क्षेत्र की एकसाझी संस्कृति, इतिहास एवं सामाजिक संबंध हैं जिसके चलते एक जगह हुई कोईभी उथल-प्थल सारे क्षेत्र में अपना प्रभाव उत्पन्न करती है। प्रतिनिधि सभा कामानना है कि सभी जागरूक लोग भारत और पड़ोसी देशों की इस साझी विरासतको दृढ़ता देने की दिशा में प्रयास करें यह उल्लेखनीय है कि वांग्लादेश के हिन्दू समाज ने इन अत्याचारों का शांतिपूर्ण,संगठित और लोकतांत्रिक पद्धति से साहसपूर्वक विरोध किया है। यह भी प्रशंसनीयहै कि भारत और विश्वभर के हिंद समाज ने उन्हें नैतिक और भावनात्मक समर्थनदिया है।भारत सहित शेष विश्व के अनेक हिंदू संगठनों ने इस हिंसा के विरुद्धआंदोलन एवं प्रदर्शन किए हैं और बांग्लादेशी हिंदओं की सुरक्षा व सम्मान की माँगकी है। इसके साथ ही विश्व भर के अनेक नेताओं ने भी इस विषय को अपने स्तरपर उठाया है।

भारत सरकार ने बांग्लादेश के हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक सम्दायों के साथ खड़ेरहने और उनकी सुरक्षा की आवश्यकता को लेकर अपनी प्रतिवद्धता जताई है।उसने यह विषय बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के साथ-साथ कई अंतरराष्ट्रीय मंचोंपर भी उठाया है।प्रतिनिधि सभा भारत सरकार से अन्रोध करती है कि वहवांग्लादेश के हिंदू समाज की सुरक्षा, गरिमा और सहज स्थिति सुनिश्चित करने केलिए वहाँ की सरकार से निरतर सेवाद ननए रखने के साथ साथ हर सम्भव जारी रखे।

प्रतिनिधि सभा का मत है कि सयुक्त राष्ट्रेमंघ जैसे अंतरराष्ट्रीय संगठनों व वैश्विक समुदाय को बांग्लादेश में हिन्दू तथा अन्य अल्पसंख्यक समदायों के साथ हो रहअमानवीय व्यवहार का गंभीरता से सज्ञान लेना चाहिण और बांग्लादेश सरकार परइन हिंसक गतिविधियों को रोकते का दबाव वनाना चाहिए। प्रतिनिधि सभा हिनसमुदाय एवं अन्यान्य देशों के नेताओं से तथा अंतरराष्रीय संस्थाओं से आहृवान करते हैं कि वे बांग्लादेशी हिंदू तथा अन्य समाज के समर्थन में एकजुट होकर अपनी आवाज उठाएँ।

ब्राह्मण जागरूकता समिति ने किया पुलिसकर्मियों एवं पत्रकारों का सम्मान

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर। ब्राह्मण जागरूकता समिति के तत्वाधान में होने वाले श्रीमद् भागवत कथा और ज्ञान यज्ञ के पंचम दिन भागवत आचार्य गोपाल जी महाराज के मुखारविंद से भगवान श्री कृष्ण जी का अनेक लीलाओं का वर्णन किया गया।कार्यक्रम आयोजक समिति के अध्यक्ष अभय दुबे ने बताया की 29 तारीख को यज्ञोपवित्र संस्कार का कार्यक्रम आयोजित किया गया है और 30 मार्च को होली मिलन समारोह का कार्यक्रम रखा गया है।कार्यक्रम समापन के दौरान 21 पुलिसकर्मियों एवं पत्रकारों का सम्मान भूपेश अवस्थी के द्वारा किया गया कार्यक्रम में मुख्य रूप से विमल तिवारी, बद्री प्रसाद दीक्षित,कार्तिकेय शुक्ला,उपेंद्र पाण्डेय, अभिनव श्रीवास्तव, अंकित चौधरी, लक्ष्मीकांत अग्निहोत्री महेन्द्र त्रिपाठी ,मोनू वर्मा, अनिल सैनी , प्रमोद कुमार ,कौस्तुभ मिश्रा, अंकित कुशवाहा, आकाश चंद्रा,दीप त्रिवेदी ,अवनीश अवस्थी ,मयंक मिश्रा, शिव कुमार शर्मा, सत्येंद्र रावत, इत्यादि लोग रहे।

डायबिटिक रेटिनोपैथी में सीधे आंख में दी जाएगी स्टीरॉयड

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. परवेज खान ने खोजी विधि

» महंगा इंजेक्शन नहीं लगवाना पड़ेगा

राहुल पाण्डेय, स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर के जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के नेत्र रोग विभाग ने इलाज की नई विधि खोजी है। डायबिटीज के रोगियों की शुगर नहीं बढ़ेगी। रोशनी भी सुरक्षित रहेगी। डायबिटिक रेटिनोपैथी में सीधे आंख में स्टीरॉयड दी जाएगी। डायबिटीज के रोगियों के लिए अच्छी खबर है। ब्लड शुगर लेवल अनियंत्रित रहने की वजह से डायबिटिक रेटिनोपैथी से उन्हें आंख की रोशनी नहीं गंवानी पड़ेगी। रेटिनोपैथी के इलाज में उन्हें हर महीने 25 से 50 हजार रुपये के बीच कीमत का महंगा इंजेक्शन भी नहीं लगवाना पड़ेगा। वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. परवेज खान ने बताया कि अब इस विधि पर विस्तृत शोध कर दिया गया है। रोगियों को इलाज मुफ्त है।

जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के नेत्र रोग विभाग की नई विधि से आंखों में सीधे स्टीरॉयड देने से डायबिटीज अनियंत्रित रहने पर भी रोगियों की आंख की रोशनी सुरक्षित रहेगी। इलाज भी मुफ्त मिलेगा। ब्लड शुगर लेवल अनियंत्रित रहने से डायबिटीज के रोगियों के आंख के परदे में सूजन आ जाती है। इसे रेटिनोपैथी कहते हैं। इससे परदा खराब होकर उखड़ने लगता है और आंख की रोशनी चली जाती है। इसके इलाज में महंगा इंजेक्शन हर महीने लगाया जाता है।

नई विधि में इसी बाधा को दूर किया

बहुत से रोगियों को इस दवा से भी फायदा नहीं होता और आंख रोशनी चली जाती है। सूजन कम करने के लिए स्टीरॉयड की जरूरत होती है। डायबिटीज के रोगी को स्टीरॉयड देने से ब्लड शुगर लेवल और बढ़ता है। रेटिनोपैथी के इलाज में यह स्थिति बड़ी बाधा है।

नई विधि में इसी बाधा को दूर किया गया। वरिष्ठ नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. परवेज खान ने विधि खोजी है। डॉ. खान ने बताया कि स्टीरॉयड को सीधे रोगी के आंख के परदे के सुप्रा कोराइडल स्पेस में पहुंचा दिया जाता है।

यहीं पर सूजन होती है। इससे स्टीरॉयड का असर शरीर के किसी दूसरे हिस्से में नहीं होता है। दवा से सूजन ठीक होने लगती है और आंख का परदा खराब नहीं होता। रोशनी भी बच जाती है। इस विधि में उनकी पेटेंट परवेज नीडिल का इस्तेमाल किया जाता है।

आठ रोगियों पर पहला ट्रायल रहा सफल

नई विधि का आठ रोगियों पर पहला ट्रायल किया गया है। इनको रेटिनोपैथी हो गई थी और आंख की रोशनी प्रभावित थी। इस विधि से इलाज के बाद रोगियों की आंख की रोशनी ठीक हो गई। ट्रायल के दौरान भी इन रोगियों का ब्लड शुगर लेवल अनियंत्रित रहा है, लेकिन इलाज के कारण रोगियों की आंख रोशनी पर फर्क नहीं पड़ा।

हर महीने ओपीडी में आते औसत 250 रोगी

कानपुर के हैलट अस्पताल के नेत्र रोग विभाग की ओपीडी में हर महीने डायबिटिक रेटिनोपैथी के औसत 250 रोगी आते हैं। रेटिनोपैथी की ओपीडी में आने वाले इन रोगियों में 50 फीसदी को पता नहीं होता कि ब्लड शुगर लेवल बढ़ा रहता है। आंख की रोशनी कम होने पर दिखाने आते हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर ब्लड शुगर लेवल नियंत्रित रहता है तो डायबिटीज होने के 30 साल तक रेटिनोपैथी नहीं होती। अगर ब्लड शुगर लेवल बढ़ा रहता तो 10 साल के अंदर रेटिना में बदलाव आने लगते हैं। रेटिनोपैथी के रोगियों की संख्या बढ़ती जा रही है।

भाजपा विधायकों ने बताए विकास कार्य, विपक्षियों को घेरा

स्वराज इंडिया

कानपुर। योगी सरकार के 8 वर्ष पूरे होने पर भाजपा विधायकों, एमएलसी और जिलाध्यक्षों ने अपने-अपने कार्यक्षेत्र में प्रेसवार्ता की और क्षेत्र में हुये कार्यों की जानकारी देने के साथ ही विरोधियों पर तंज कसा।

विधायक सुरेंद्र मैथानी ने कहा कि गोविंदनगर विधानसभा क्षेत्र में विकास की गंगा बही है। पार्कों का सुंदरीकरण, सीवर, पेयजल, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा हर क्षेत्र में मुख्यमंत्री ने कार्य कराये हैं। इस दौरान उन्होंने गोविंदनगर

विधानसभा क्षेत्र में हुए एक दर्जन से अधिक कार्य गिनाए। सीसामऊ विधानसभा में भाजपा नेता सुरेश अवस्थी ने कहा कि सीसामऊ में सड़कों का चौड़ीकरण एवं मरम्मत कर सीसामऊ, रामबाग, हीरामन का पुरवा,गांधी नगर, कारवालो नगर, पी रोड बाजार आदि क्षेत्रों को सुगम यातायात से जोड़ा गया है। पालिका स्टेडियम का सुंदरीकरण किया गया। टीएसएच बनाकर खेलों का बढ़ावा दिया गया। एमएलसी सलिल विश्नोई ने जिला कार्यालय उत्तर में प्रेसवार्ता कर कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार लगातार कार्य कर रही है।

किदवई नगर विस में 980 करोड़ रुपये से विकास

किदवई नगर के विधायक महेश त्रिवेदी ने पत्रकारों से कहा कि किदवई नगर विधानसभा में कुल 980 करोड़ रुपये से विकास कार्य कराए गए। 2017 से 2025 तक 45 करोड़ से पीड़ितों का इलाज कराया गया। 55 करोड़ की लागत से नौबस्ता मौरंग मंडी में 100 बेड का अस्पताल का निर्माण पूरा हो चुका है। सरकारी योजनाओं का लाभ बिना किसी भेदभाव के मिल रहा है। यहां दक्षिण जिलाध्यक्ष शिवराम सिंह, मीडिया प्रभारी मनीष त्रिपाठी, मंडल अध्यक्ष दीपांकर मिश्रा, बिट्टू परिहार, विनीत दुबे, दीपू पासवान आदि मौजूद रहे।

प्रशासन की कड़ी कार्रवाई न होने से मौरंग माफिया

मौरंग माफियाओं के हौसले बुलंद, बड़ी घटना को दे रहे हैं दावत

» खदानों से ओवरलोडिंग लाद कर ट्रैक्टर ट्राली से गजनेर सरवन खेड़ा में बेचा जा रहा है। लाकर

» चंद दिनों की आरटीओ की गजनेर चौराहे पर शक्ति

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

माती/सरवनखेडा। गजनेर थाना क्षेत्र के में चौराहे से मोरंग लेकर बेखौफ चल रहे ट्रैक्टर चालक, लगातार ओवरलोडिंग की वजह से बड़ी बड़ी घटना देखने को मिल रही है। इसके बावजूद प्रशासन इस मोरंग माफियाओं के आगे घुटने टेकते नजर आ रहा है। और सरकार को लगा रहे लाखों के राजस्व का चूना, जिम्मेदार बने मूकदर्शक आखिरकार कौन इन्हें संरक्षण दे रहा है।

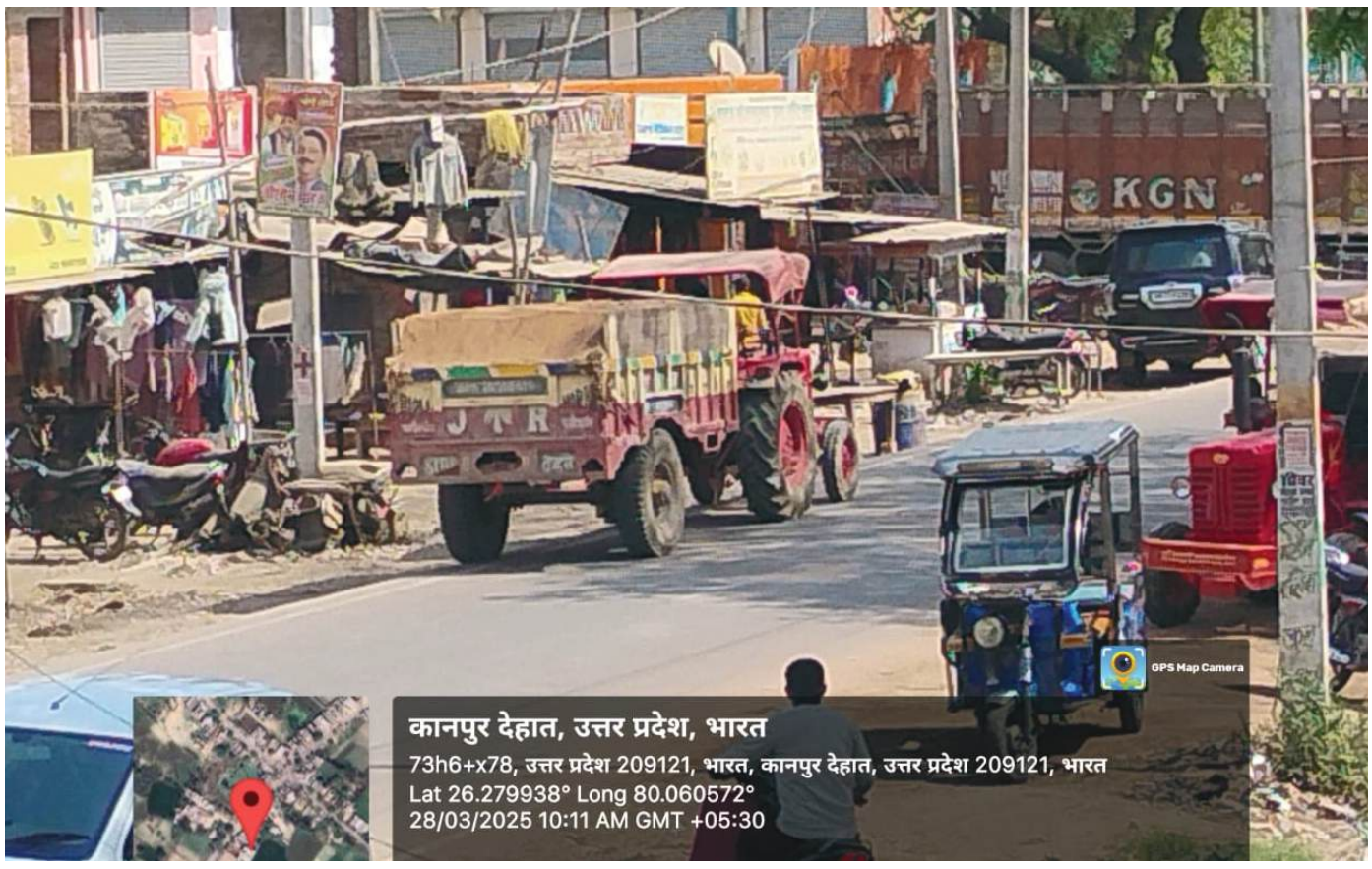

बता दें कि गजनेर मूसानगर सड़क पर कुकुरमुत्ते की भांति ओवर लोड मोरंग से लदे ट्रैक्टर ट्राली के सहारे मोरंग माफियाओं का चल रहा बड़ा खेल बिना नम्बर प्लेट के सड़कों पर इस कदर हावी हो कर दौड़ा रहे हैं। मानो किसी कि डर नहीं रहा है।

वही सूत्रों की माने तो उनका कहना है की रात्रि 1 बजे से लेकर सुबह के 12 बजे तक मोरंग माफियाओं का सड़कों पर रहता है। दबदबा हमीरपुर खदान से रात को निकलते हैं और हर जगह पैसे बधे हुए हैं। देते चले आते हैं। और मुसानगर सड़क व घाटमपुर सड़क से आते हैं गजनेर , सरवनखेडा, रनिया, रायपुर तक डालते हैं। सड़कों पर आम जन मानस का चलना दुश्वार हो गया है। आखिर कार इन पर कार्यवाही क्यों नहीं हो रही है। और तो और ट्रैक्टर को कृषि की जगह कमर्शियल में काम लेने से राजस्व का चूना भी लग रहा है। जिले में ट्रैक्टर चालक धड़ल्ले से ट्राली से मोरम लादकर चल रहे हैं। इसके बाद भी जिम्मेदार आरटीओ विभाग व पुलिस ने अपनी आंख बंद कर रखी है। बिना रोक टोक के ट्रैक्टर ट्राली से कृषि की जगह कमर्शियल का काम हो रहा है ।हाइवे के हमीरपुर खदान से मुसानगर, घाटमपुर सड़क से गजनेर, रनिया सरवनखेडा, तक पहुंचा रहे हैं जिले के सड़कों पर ओवरलोड ट्रैक्टर ट्राली धड़ल्ले से चल रही है। जबकि यातायात माह के तहत नियमों का पालन कराने के लिए जिले में ट्रैफिक पुलिस सड़कों पर लगकर चालान काट रही है, लेकिन ट्रैक्टर ट्राली पर कार्रवाई न होने से सवाल भी उठ रहा है।

ट्रैफिक पुलिस की नियमों के अनुसार

कोई वाहन ओवरलोडिंग सड़कों पर नहीं चलेगा जितना परमिशन दी जाती है उससे अधिक एक इंच भी नहीं आप लाद सकते है। अगर ऐसा करने में पाए जाते हो तो आपकी गाड़ी का चालान किया जाएगा और आवश्यकता अनुसार सीज की कार्रवाई भी की जा सकती है। शासन द्वारा पुलिस विभाग को निर्देशित किया गया था कि अपने-अपने सीमाओं पर ओवरलोडिंग वहां के ऊपर कारवाई की जाए।

सम्पादकीय

रोजगारपरक शिक्षा को दें बढ़ावा

हरियाणा विधानसभा के मौजूदा सत्र में कई महत्वपूर्ण विधायी पहल हुई हैं, जो एक लोककल्याणकारी सरकार की प्राथमिकताएं सुनिश्चित करती हैं। इसमें किसानों को नकली इनपुट से सुरक्षा कवच देना भी सराहनीय कदम रहा है। वहीं हाल ही में सुनहरे भविष्य की आकांक्षा लेकर विदेश जाने वाले युवाओं की हितरक्षा में उठाये गए कदम निश्चय ही सराहनीय हैं। हरियाणा के मौजूदा विधानसभा सत्र में हरियाणा ट्रैवल एजेंट पंजीकरण और विनियमन विधेयक, 2025 पारित किया जाना एक महत्वपूर्ण कदम है, जो वक्त की सख्त जरूरत भी थी। ट्रैवल एजेंसियों के पंजीकरण को अनिवार्य करना और उल्लंघन पर सख्त दंड का प्रावधान उम्मीद जगाता है कि अब विदेश जाने वाले लोगों के साथ होने वाली धोखाधड़ी पर अंकुश लग सकेगा। इस कानून का उल्लंघन करने पर सात साल की कैद और पांच लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान किया गया है। निश्चित रूप से सरकार ने अपने नागरिकों को धोखे और मानव तस्करी से बचाने के लिये एक आवश्यक कदम उठाया है। लगातार होने वाले आव्रजन घोटालों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के मद्देनजर, इस कानून की लंबे समय से प्रतीक्षा की जा रही थी। लेकिन जहां सख्त कानून का सही ढंग से क्रियान्वयन इस दिशा में सफलता सुनिश्चित करेगा, वहीं इसके लिये जन जागरूकता अभियान चलाने की भी जरूरत है। साथ ही प्रभावी प्रवर्तन के साथ ही यह सुनिश्चित करना भी जरूरी है कि लोग अनधिकृत एजेंटों के चक्रव्यूह में न फंसें। वास्तव में यह विधेयक एक महत्वपूर्ण कदम तो है, लेकिन इसे बेरोजगारी को दूर करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा भी होना चाहिए। यदि हम राज्य के युवाओं के लिये अपने देश में बेहतर रोजगार के अवसर पैदा कर सकें तो युवाओं को फिर अपने सपने पूरे करने के लिये विदेश जाने की जरूरत ही नहीं होगी। निस्संदेह, कोई भी व्यक्ति अपना घर-परिवार, अपना धार्मिक-सांस्कृतिक परिवेश छोड़कर परदेश नहीं जाना चाहता। लेकिन जब आकांक्षाओं के अनुरूप रोजगार के अवसर नहीं मिलते तो ही वह मजबूरी में विदेश जाने की लालसा रखता है।

यह एक निर्विवाद सत्य है कि बेहतर रोजगार की स्थितियां हमारे शैक्षिक वातावरण पर भी निर्भर करती हैं। यदि हम परंपरागत शिक्षा से इतर रोजगार व कौशल विकास की शिक्षा को अपनी प्राथमिकता बनाएं तो स्थिति बदल सकती है। इसके लिये जरूरी है कि राज्य में रोजगारपरक शिक्षा के अनुकूल वातावरण बनाया जाए। इस दिशा में गंभीर प्रयासों की सख्त जरूरत है। इस मुद्दे को प्राथमिकताओं में शामिल करके इस बार गंभीर बहस होगी। दरअसल, हाल के दिनों में कई स्कूलों के भवनों की स्थिति व सुरक्षा आदि को लेकर अभिभावक चिंता जताते रहे हैं। हर अभिभावक चाहता है कि सरकारी स्कूलों में बेहतर साफ-सफाई, शौचालयों और पीने के पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध रहें। दरअसल, देखने में आया है कि कई ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों में छात्रों की संख्या जितनी अधिकता में है।

बलूचिस्तान की शेरनी महरंग से सहमा पाक

अरुण नैथानी

हाल के दिनों में डॉ. महरंग के प्रयासों से यह बदलाव देखने में आया है कि बलूच राष्ट्रीय अस्मिता का आंदोलन अब युवा प्रतिरोध का प्रतीक बनता जा रहा है। विश्वविद्यालयों से निकलने वाले छात्र बलूच आंदोलन की अगुवाई कर रहे हैं।हाल के दिनों में बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी के एक के बाद एक घातक हमलों व एक ट्रेन के अपहरण से पाकिस्तान सहमा हुआ है। जिसका नजला शांतिपूर्ण ढंग से बलूचिस्तान की आजादी की मांग कर रहे संगठनों पर गिर रहा है। पिछले दशकों में सुनियोजित ढंग से आजादी की मांग कर रहे हजारों राष्ट्रवादी बलूचों के लापता होने का सिलसिला बदस्तूर जारी है। बलूचिस्तान में पिता, पति व पुत्र के इंतजार में हजारों आंखें पथरा गई हैं। ये लोग क्वेटा से लेकर इस्लामाबाद तक लगातार आंदोलन करके अपनों की हकीकत जानना चाहते हैं। इन्हीं में शामिल हैं डॉ. महरंग बलूच, जिनसे पाकिस्तान सरकार खौफ खाती है। जो शांतिपूर्ण ढंग से पाक का निरंकुश एजेंडा विफल बना रही है। सहमी पाक सरकार ने पिछले दिनों महरंग बलूच को हिरासत में ले लिया। दरअसल, बीएलए के लगातार बढ़ते हमलों के बाद पाक सरकार ने शांतिपूर्ण आंदोलन का दमन तेज कर दिया है, जिसकी चपेट में शांतिपूर्ण ढंग से आंदोलन करने वाली मानवाधिकार कार्यकर्ता डॉ. महरंग भी आई है।

उल्लेखनीय है कि महरंग के पिता अब्दुल गफ्फार लैंगोव एक राष्ट्रवादी बलूच नेता थे। वर्ष 2009 में उनका सुरक्षा बलों ने अपहरण कर लिया था। जिसके तीन साल बाद उनकी लाश बुरी स्थिति में मिली थी। लेकिन आज महरंग पाक दमन के खिलाफ एक मुखर आवाज बन चुकी है। बहराल, हाल के बीएलए के एक के बाद एक बड़े हमलों ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है। खासकर, हालिया ट्रेन अपहरण के मामले ने, जिसने बलूचों की अस्मिता के संघर्ष की आवाज को दुनिया को सुनाया है।दरअसल, बलूचिस्तान के लोगों की आवाज बन चुकी, नई पीढ़ी की नेता महरंग की गिरफ्तारी पाक हुक्मरानों की हताशा का ही नतीजा है। वास्तव में पाक सेना व खुफिया संगठनों द्वारा पिता की हत्या के बाद महरंग ने प्रतिरोध की आवाज बनने का फैसला किया था। पिता की मौत के बाद सुरक्षा बलों ने उनके भाई को भी वर्ष 2017 में उठा लिया था। उन्हें तब तीन माह तक हिरासत में रखकर यातनाएं देने के बाद छोड़ा गया। उसके बाद महरंग ने तय किया कि वह गैरकानूनी रूप से लोगों को उठाने और उनकी हत्या के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ेंगी। उन पर आज तरह-तरह के प्रतिबंध लगाए जाते हैं, उन्हें गिरफ्तार किया जाता है, धमकियां दी जाती हैं, लेकिन महरंग पीछे मुड़कर देखने को तैयार नहीं हैं। वे कहती हैं कि बलूच लोग बिना अत्याचार के स्वाभिमान से जीना चाहते हैं। हम हिंसा व भय से मुक्ति चाहते हैं। हजारों लोगों के गायब होने का सिलसिला अब बंद होना चाहिए। दरअसल, बलूचिस्तान पाकिस्तान का सबसे बड़ा प्रांत है। यह प्रांत पाक का 44 फीसदी भू-भाग रखता है। यह गैस, सोना व तांबा आदि दुर्लभ खनिजों व प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है। जिस पर चीन समेत दुनिया के देशों की नजर है। वास्तव में जब भारत विभाजन हुआ तो पाक हुकमरानों ने बलूचिस्तान के कबाइली नेताओं को स्वायत्तता देने का वायदा किया। लेकिन बाद में राष्ट्रवादी बलूच नेताओं को धोखा देकर वहां सेना के बल पर दमन शुरू कर दिया। कालांतर में दमन के विरोध में कुछ प्रतिरोधियों ने बंदूकें उठा ली। उनका आरोप था कि पाकिस्तान ने यहां के प्राकृतिक संसाधनों का निर्मम दोहन तो किया लेकिन समृद्धि, शेष पाक व पाकिस्तानी पंजाब में आई। इसके विरोध में ही बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी जैसे संगठनों का उदय हुआ।वास्तव में इस सबसे अमीर प्रांत की जनता बदहाली का जीवन जी रही है।

उ. कोरिया का आत्मघाती ड्रोन व भारत की चिंता

बदलती हवा

पुष्परंजन

पाकिस्तान का सैन्य साझीदार उत्तर कोरिया जिस तरह से आत्मघाती ड्रोन विकसित करने में सफल हुआ है, क्या भारत को इसकी चिंता करनी चाहिए? भारतीय सेना को हाल ही में नागपुर स्थित रक्षा निर्माण फर्म सोलर इंडस्ट्रीज द्वारा निर्मित 480 लोइटरिंग हथियार प्राप्त हुए हैं, जिनमें 75 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री है। उत्तर कोरिया ने रूस से पहले टोही ड्रोन मंगाया। उद्देश्य सीमाओं पर निगरानी का था। अब वो टोही ड्रोन आत्मघाती अस्त्र के रूप में परिवर्तित हो चुके हैं, जिनका परीक्षण गुरुवार को हुआ।

आत्मघाती ड्रोन, जिसे 'लोइटरिंग म्यूनिशन' के नाम से भी जाना जाता है, तब तक हवाई क्षेत्र में 'घूमने' या कब्ज़ा करने में सक्षम होता है, जब तक कि कोई लक्ष्य दिखाई न दे। फिर वह अपने पेलोड के साथ वहां दुर्घटनाग्रस्त हो जाता है। ड्रोन ख़त्म, और टारगेट ध्वस्त। इस सप्ताह परीक्षण किए गए नए 'सैटब्योल-4' संस्करण में पिछले मॉडल की तुलना में लंबे पंख हैं। गोकि, उत्तर कोरिया के सैन्य सम्बन्ध पाकिस्तान से भी काफी पुराने हैं, समय-समय पर इस्लामाबाद के मिसाइल प्रोग्राम में फ्योंगयांग की मदद दिखाई देती रहती है, चुनांचे चिंता दिल्ली को भी होनी चाहिए।

गुरुवार को उत्तर कोरियाई तानाशाह किम ने भूमि और समुद्र पर लक्ष्यों को ट्रैक करने में सक्षम उन्नत

टोही ड्रोन का निरीक्षण किया, साथ ही हाल ही में अनावरण किए गए एयरबोर्न अर्ली-वार्निंग (एईडब्ल्यू) विमान का भी निरीक्षण किया। उत्तर कोरिया अपने मौजूदा भूमि-आधारित रडार सिस्टम को बढ़ा रहा है। कोरियन सेन्ट्रल न्यूज़ एजेंसी (केसीएनए) द्वारा प्रकाशित तस्वीरों के अनुसार, उन्हें रडार डोम वाले एक बड़े चार इंजन वाले विमान की जांच करते देखा गया, जिसके बारे में माना जाता है कि यह एक संशोधित रूसी आईएल-76 कार्गो विमान है।परीक्षण के दौरान प्राप्त तस्वीरों में फिक्स्ड-विंग आत्मघाती ड्रोन को अमेरिकी और दक्षिण कोरियाई टैंकों, बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों और मिसाइल लॉन्च वाहनों के मॉकअप पर हमला करते हुए दिखाया गया है। एक फर्स्ट-पर्सन व्यू क्वाडकॉप्टर-स्टाइल ड्रोन भी लक्ष्य पर गोला-बारूद गिराता हुआ दिखाई दिया। राज्य मीडिया ने ड्रोन की उपस्थिति को अस्पष्ट करने के लिए उन्हें पिक्सेल किया। लेकिन जिस तरह अमेरिकी और दक्षिण कोरियाई टैंकों, बख्तरबंद लड़ाकू वाहनों के मॉडल पर यह परीक्षण किया गया, उसने अमेरिका की परेशानी बढ़ा दी है।जून, 2023 में पहली बार उत्तर कोरिया ने सैटब्योल-4 टोही ड्रोन, और सैटब्योल-9 लड़ाकू यूएवी के डेवलप किये जाने का खुलासा किया था। उत्तर कोरिया ने साल 2024 में फ्योंगयांग में आयोजित हथियार एक्सपो में उत्तर कोरिया ने छह हमलावर ड्रोन दिखाए, जो इस्राइल और तुर्की के डिजाइनों की नकल करते थे।दक्षिण कोरिया के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शिन वोन-सिक ने नवंबर 2024 में कहा था कि मॉस्को ने यूक्रेन के खिलाफ रूस के युद्ध में मदद के लिए सैनिकों को तैनात करने के बदले में प्योंगयांग को एंटी-एयर मिसाइल और अनिर्दिष्ट वायु रक्षा उपकरण प्रदान किए थे। दक्षिण कोरिया के संयुक्त चीफ ऑफ स्टाफ के अनुसार, शुरू में रूस को भेजे गए 11,000 उत्तर कोरियाई सैनिकों में से लगभग 4,000 मारे गए, या घायल हो गए।

12वीं के बाद डेंटिस्ट बन कर सकते हैं लाखों रुपए कमाई!

अगर आप मेडिकल फील्ड में रुचि रखते हैं, तो यह फील्ड आपके लिए बेस्ट कॅरियर ऑप्शन हो सकती है। इस क्षेत्र में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देश के 4 टॉप डेंटल कॉलेजों के बारे में बताने जा रहे हैं।

देश के टॉप डेंटल कॉलेजों की लिस्ट

हर छात्र 12वीं कक्षा के बाद अपने-अपने इंट्रेस्ट के हिसाब से आगे की पढ़ाई करते हैं। वहीं 12वीं के बाद छात्र अपने करियर का चुनाव बड़े सावधानीपूर्वक करते हैं। ऐसे में आप भी डिमांड के हिसाब से अगर कॅरियर ऑप्शन की तलाश कर रहे हैं, तो आप डेंटिस्ट्री में अपना कॅरियर बना सकते हैं। बता दें कि हेल्थ के प्रति बढ़ती जागरुकता के चलते डेंटिस्ट की लगातार मांग बढ़ रही है।

डेंटिस्ट की पढ़ाई के लिए टॉप मेडिकल कॉलेज

वहीं अक्सर लोगों को किसी न किसी तरह की डेंटल प्रॉब्लम होती है। ऐसे में अगर आप मेडिकल फील्ड में रुचि रखते हैं, तो यह फील्ड आपके लिए बेस्ट कॅरियर ऑप्शन हो सकती है। इस क्षेत्र में युवाओं के लिए अपार संभावनाएं हैं। इसलिए आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको देश के 4 टॉप डेंटल कॉलेजों के बारे में बताने जा रहे हैं।

- **सविता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड टेक्निकल साइंसेज, चेन्नई**
- **मणिपाल कॉलेज ऑफ डेंटल साइंस**
- **डी वाई पाटिल विद्यापीठ, पुणे**
- **किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ**

बता दें कि ऊपर बताई गई कॉलेजों की लिस्ट साल 2024 के रैंकिंग और एनआईआरएफ रैंकिंग के मुताबिक है। इस लिस्ट में सबसे पहले नंबर चेन्नई के सविता इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एंड टेक्निकल साइंसेज का नाम है। वहीं दूसरे नंबर पर मणिपाल कॉलेज ऑफ डेंटल साइंस और तीसरे नंबर पर डी वाई पाटिल विद्यापीठ, पुणे है। इस लिस्ट में चौथे नंबर पर लखनऊ में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी का नाम है। यह देश के बेस्ट 4 डेंटल कॉलेज हैं।

करीब-करीब हर छात्र का यह सपना होता है कि वह बेस्ट कॉलेज से पढ़ाई करें। लेकिन इन संस्थानों में इतनी आसानी से एडमिशन नहीं मिलता है। वहीं इन कॉलेजों में एडमिशन लेने के लिए काफी मेहनत करनी होती है। डेंटिस्ट बनने के लिए स्टूडेंट्स को बीडीएस का कोर्स करना होता है। इस कोर्स को करने के बाद स्टूडेंट डेंटिस्ट बनता है।

कफ बढ़ने पर... घेर लेंगे कई रोग

चिकित्सकों के अनुसार कफ की समस्या तब अधिक विकराल रूप धारण कर लेती है जब मरीज जिसे यह रोग हो गया हो, अपने खान-पान पर संतुलन नहीं बनाता है। खाने में परहेज रखने से ही इस बीमारी को बढ़ने से रोक सकते हैं।

सेहत मंत्रा

डा. पंचशील शर्मा

वात और पित्त के साथ शरीर में कफ का संतुलन सही होना जरूरी है। कफ के बढ़ने पर 28 प्रकार के रोग आपको घेर सकते हैं। लेकिन इनसे बचने के लिए आपको ऐसी चीजों से बचना होगा, जो कफ पैदा करती हैं या कफ को बढ़ा सकती हैं। आइए जानते हैं कौन सी चीजें कफ में न खाएं और किन चीजों का सेवन करें -

दूध का सेवन

दूध कफ को बढ़ाता है। अगर आपकी कफ प्रकृति है तो आपको दूध का सेवन कम करना चाहिए या फिर हल्दी के साथ इसका सेवन करें।

मांस का सेवन

कफ बढ़ने पर मांस का सेवन आपके लिए नुकसानदायक हो सकता है, इसलिए कफ होने पर मांस का सेवन करने से बचें और अगर कफ की तासीर हो तो मांस का सेवन कम से कम करें।

वसायुक्त चीजें

वसायुक्त चीजों का सेवन कफ बढ़ाने का काम करती हैं इसलिए जितना हो सके इनसे बचने की कोशिश करें।

मक्खन से दूरी

मक्खन में वसा अधिक होता है, इसलिए यह कफ बढ़ाने का काम करता है। कफ की समस्या में मक्खन या मक्खन युक्त चीजों का सेवन न करें।

पनीर

पनीर से कफ तो बनता ही है, कई लोगों को पाचन संबंधी समस्या भी हो सकती है क्योंकि कुछ लोगों को पनीर आसानी से नहीं पचता। इसलिए अतिसेवन न करें।

क्या खाएं -

1 सुबह या दिन के भोजन के बाद गुड़ का सेवन फायदेमंद हो सकता है। गुड़ की तासीर गर्म होती है, यह कफ को कम करने के साथ ही पाचन क्रिया को बेहतर बनाता है।

2 तुलसी, सौंठ, अदरक और शहद जैसी चीजों का सेवन कफ को कम करने में बहुत फायदेमंद होता है, तो इन्हें किसी भी तरह से डाइट में शामिल करें।

मच्छरों से परेशान हैं? ये रहे आजमाइए... तीन घरेलू उपाय

मच्छर यानि आपके सिर पर मंडराता बीमारियों का खतरा... बीमारियों से बचना है तो मच्छरों से बचना जरूरी है। लेकिन अगर घर में कॉइल या मॉस्कीटो लिक्विड नहीं है तब आप क्या करेंगे? चलिए हम बताते हैं मच्छरों के लिए 3 ऐसे कारगर घरेलू उपाय, जो आपकी इस समस्या को तुरंत दूर कर देंगे...

1. नीम का तेल, 2. कपूर और 3. तेजपत्ता

सबसे पहले नीम के तेल में कपूर मिलाकर एक स्प्रे बॉटल में भर लें। अब इस मिश्रण का तेजपत्तों पर स्प्रे करें और तेजपत्ते को जला लें। तेजपत्ते का धुंआ सेहत के लिए किसी भी प्रकार से हानिकारक नहीं है। इस धुंए के असर से आश्चर्यजनक रूप से घर के सभी मच्छर भाग जाएंगे। सोते समय कुछ दूरी पर, सिरहाने कपूर मिले नीम के तेल का दीपक जलाएं, इससे भी मच्छर आपके पास बिल्कुल नहीं नहीं फटकेंगे।

नारियल तेल, नीम तेल, लौंग का तेल, पिपरमिंट तेल और नीलगिरी के तेल को आपस में समान मात्रा में मिलाएं और एक बॉटल में भरकर रख लें। रात में सोते समय त्वचा पर लगाएं और निश्चिंत होकर सो जाएं। यह तरीका बाजार की क्रीम से भी ज्यादा प्रभावशाली है।

दुनिया की सबसे खतरनाक, जनलेवा बीमारी है ब्रेन स्ट्रोक

खतरनाक मर्ज

नीलम सिंह

दुनियाभर में फैली तमाम जानलेवा बीमारियों के बीच एक और खतरनाक बीमारी धीरे-धीरे लोगों को अपनी गिरफ्त में ले रही है। इस बीमारी का नाम है ब्रेन स्ट्रोक। आज हालत यह है कि दुनिया का हर छठा व्यक्ति कभी न कभी ब्रेन स्ट्रोक का शिकार हुआ है और 60 से ऊपर की उम्र के लोगों में मौत का दूसरा सबसे बड़ा कारण ब्रेन स्ट्रोक है। यह 15 से 59 साल के आयुवर्ग में मृत्यु का पांचवां सबसे बड़ा कारण है।

विशेषज्ञों के अनुसार स्ट्रोक आने के बाद 70 फीसदी मरीज अपनी सुनने और देखने की क्षमता खो देते हैं। साथ ही 30 फीसदी मरीजों को दूसरे लोगों के सहारे की जरूरत पड़ती है। आमतौर पर जिन लोगों को दिल की बीमारी होती है उनमें से 20 फीसदी मरीजों को स्ट्रोक की समस्या होती है। धर्मशिला नारायणा सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के सीनियर कंसलटेंट, न्यूरो-सर्जरी डॉ आशीष कुमार श्रीवास्तव के अनुसार मस्तिष्क के किसी हिस्से में रक्त की आपूर्ति बाधित होने या गंभीर रूप से कम होने के कारण स्ट्रोक होता है। उनके अनुसार मस्तिष्क के ऊतकों में ऑक्सीजन और पोषक तत्वों की कमी होने पर कुछ ही मिनटों में मस्तिष्क की कोशिकाएं मृत होने लगती हैं इसलिए समय रहते रोगी को उपचार मिलने से उसे सामान्य स्थिति में लाया जा सकता है, अन्यथा मृत्यु अथवा स्थायी विकलांगता हो सकती है। ब्रेन स्ट्रोक को समय पर सही इलाज देकर ठीक किया जा सकता है, लेकिन इलाज में देरी होने पर लाखों न्यूरॉन्स क्षतिग्रस्त हो जाते हैं और मस्तिष्क के अधिकतर कार्य प्रभावित होने लगते हैं। मरीज को बोलने में दिक्कत आ सकती है, झुरझुरी आती है और उसके चेहरे की मांस पेशियां कमजोर हो जाती हैं जिससे लार बहने लगती है। देश में हर साल ब्रेन स्ट्रोक के लगभग 15 लाख नए मामले दर्ज किए जाते हैं और यह असामयिक मृत्यु और विकलांगता की एक बड़ी वजह बनता जा रहा है।

अगर किसी व्यक्ति का चेहरा एक तरफ से टेढ़ा होने लगे और उसे बोलने में दिक्कत हो तो उस व्यक्ति को ज्यादा से ज्यादा मुस्कुराना चाहिए ताकि चेहरे की मांसपेशियों की कसरत हो। चिकित्सकों के मुताबिक इसका मुख्य कारण उच्च रक्तचाप, मधुमेह, रक्त शर्करा, उच्च कोलेस्ट्रॉल, शराब, धूम्रपान और मादक पदार्थों की लत के अलावा आरामतलब जीवन शैली, मोटापा, जंक फूड का सेवन और तनाव है। युवा रोगियों में यह अधिक घातक साबित होता है, क्योंकि यह उन्हें जीवन भर के लिए विकलांग बना सकता है। डॉ. राजुल अग्रवाल, सीनियर न्यूरोलॉजिस्ट, बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टिट्यूट के अनुसार पहले यह समस्या बढ़ती उम्र में होती थी वही आज स्ट्रोक का खतरा युवाओ पर भी मंडरा रहा है। अनियमित जीवन शैली, खानपान और तनाव स्ट्रोक होने के मुख्य कारणों में से है। इससे बचाव के लिए व्यायाम, उचित खानपान और नशे से दूर रहने की सबसे ज्यादा जरूरत है। साथ ही व्यक्ति को तनाव से बचने की कोशिश करनी चाहिए। तनाव कई बीमारियों की जड़ है जो धीरे धीरे घुन की तरह शरीर को खोखला कर देती हैं।

अक़ीदत के साथ अदा की गई अलविदा जुमा की नमाज़

इबादत और नेकियों का शबाब कई गुना बढ़कर मिलता- सैय्यद सिराज अहमद

मकनपुर (बिल्हौर)। मकनपुर स्थित हज़रत जिन्दा शाह मदार दरगाह के सज्जादा नशीन पीरे तरीकत सैयद सिराज अहमद जाफरी ने आपसी भाई चारे की अपील करते हुए कहा कि रमजान अब हम सबसे विदा हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस पाक महीने में इबादत और नेकियों का शबाब कई गुना बढ़कर मिलता है। उन्होंने कहा कि तहजीब की नगरी मकनपुर सभी धर्मों का सम्मान करती है। अलविदा नमाज के बाद उन्होंने आगामी ईद की मुबारक़बाद दी।

अलविदा... किसी चीज से रुकसत होना

बिल्हौर। अलविदा का मतलब किसी चीज से रुकसत होने से है। कस्बे के हाजी मुफ़्ती यासिर अरफात रजवी मंजरी ने बताया कि रमजान हमसे रुखसत हो रहा है। रमजान माह में जो आखिरी जुमा पड़ता है उसे अलविदा जुमा कहते हैं। इस मौके पर नमाज के बाद साख दुआ की जाती है। रमजान की बरकतें और रहमतें बाकी सब महीनों से ज्यादा होती हैं। कहा कि इस्लाम में हर नमाज, जुमे की अहमियत है। लेकिन माह-ए-रमजान का आखिरी जुमा खास ही होता है। इस पाक माह के खत्म होने के बाद ईद का त्यौहार बड़ी ही धूमधाम से मनाया जाता है।

नमाज के बाद मुल्क में अमन चैन और खुशहाली की दुआ की गई

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। अलविदा जुमा की नमाज बिल्हौर सर्किल के चौबपुर, शिवराजपुर, ककवन, बिल्हौर और अरौल मकनपुर आदि में पूरी अकीदत के साथ अदा की गई।

हर तरफ खुशनुमा माहौल नजर आया। नमाज के बाद मुल्क में अमन चैन और खुशहाली की दुआ की गई। शांति व्यवस्था एव सुरक्षा को लेकर पुलिस फोर्स मस्जिदों के बाहर मुश्तैद दिखा। और कस्बे में गश्त करता रहा। अलविदा जुमा को लेकर शुक्रवार सुबह से ही चारो तरफ रौनक दिखी। लोग सुबह से ही नमाज की तैयारियों में जुट गए। बिल्हौर कस्बे की हर मस्जिद में अलविदा जुमा की नमाज अदा की गई। नमाज के वक्त से पहले लोग कुर्ता-पायजामा पहने और सिर पर सफेद टोपी, पगड़ी बांध मस्जिद में दाखिल होकर अपनी जगह सुरक्षित की। नमाज का वक्त आया तो मस्जिदें खचाखच भर गईं। यहाँ तक कि पैर रखने तक की भी जगह नहीं बची। तीखी धूप में मस्जिदों की छतों पर भी लोगों ने नमाज अदा की। बिल्हौर की जमा मस्जिद के इमाम ने नमाज अदा करने से पहले तकरीर कर अलविदा जुमा की अहमियत बताई। वहीं लाल मस्जिद, शाही मस्जिद, बिलाला व गुलशन मस्जिद आदि समेत अलविदा जुमा की नमाज अपने वक़्त पर अदा की गई।

पूरा गांव में घुसे बदमाशों की चोरी की कोशिश नाकाम

- शोरगुल होने पर नौ दो ग्यारह हुए बदमाश
- हाथ में लाठी लेकर पूरे गांव घूमे ग्राम प्रधान
- डर के साए में ग्रामीणों ने पूरी रात जागकर काटी

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। गुरुवार की रात को बिल्हौर कोतवाली क्षेत्र के पूरा व उसके आसपास के गांवों में बदमाशों की चहलकदमी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल हो गया।

बदमाश चोरी की नियत से गांव में घुसे और पूरा ग्राम प्रधान अभिजीत सिंह की नदीहा रोड स्थित मिल व गांव के फकीरन टोला मोहल्ले आदि जगहो पर चोरी की वारदात को अंजाम देने के लिए धावा बोल दिया। लेकिन मिल में चौकीदार व ग्रामीणों की सजगता से बदमाश चोरी की वारदात को अंजाम तक पहुंचाने में नाकाम रहे। शोरगुल होते ही बदमाश मौके से नौ दो ग्यारह हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पूरे गांव में गश्त कर सुरक्षा का एहसास कराया। पूरा ग्राम प्रधान हाथ में लाठी लेकर पूरे गांव में घूमते रहे। प्रधान ने बताया दहशत के माहौल में ग्रामीणों ने पूरी रात जागकर काटी।

पुलिस के साथ ग्रामीण बदमाशों को ढूंढने भी निकले। बताया कि बदमाश चोरी करने की नीयत से आए थे। लेकिन अंजाम तक नहीं पहुँचे। वहीं मामले में बिल्हौर कोतवाली प्रभारी अशोक कुमार सरोज से बात करने पर उन्होंने बताया चोरी की घटना नहीं हुई है। सूचना मिली थी पुलिस मौके पर जाँच करने गई थी। अभी तक यह कन्फर्म नहीं हो पाया है कि पेशेवर चोर थे या गांव के लोग। जाँच की जा रही है।

प्रतिस्पर्धा की जंग में छिन रहा बच्चों का बचपना

शिक्षा जो कभी ज्ञान और आनंद का माध्यम थी अब केवल परीक्षा और ग्रेड के लिए सीमित हो गई है

» पढ़ाई के बोझ और स्कूलों की आपाधापी से बच्चों का छिन रहा बचपना

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर । वर्तमान युग प्रतिस्पर्धा का है जहां सफलता का अर्थ केवल उच्च अंक, पदक और प्रतिष्ठित संस्थानों में प्रवेश तक सीमित कर दिया है। इस दौड़ में घर और स्कूल जो कभी बच्चों के सर्वांगीण विकास के सहायक थे अब उनके लिए अपेक्षाओं और मानकों का बोझ बन गए हैं। शिक्षा जो कभी ज्ञान और आनंद का माध्यम थी अब केवल परीक्षा और ग्रेड के लिए सीमित हो गई है। पाठ्यक्रम का बढ़ता भार, गृहकार्य की अधिकता और लगातार होने वाली परीक्षाओं ने बच्चों के सीखने की प्रक्रिया को बोझिल बना दिया है। इसके अतिरिक्त माता-पिता की यह धारणा कि उनका बच्चा हर क्षेत्र में सर्वश्रेष्ठ हो बच्चों के कंधों पर अनावश्यक दबाव डाल रही है।

तकनीकी युग ने भी इस समस्या को और गहरा कर दिया है। सोशल मीडिया और इंटरनेट के माध्यम से बच्चे खुद को दूसरों से तुलना करने लगे हैं। इस तुलना की दौड़ में वे अपनी रुचियों और स्वाभाविक प्रतिभाओं से दूर हो रहे हैं। अत्यधिक दबाव का प्रभाव बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर विशेष रूप से देखा जा सकता है। चिंता, तनाव और अवसाद जैसी समस्याएं बच्चों में तेजी से बढ़ रही हैं। वे असफलताओं को स्वीकार नहीं कर पाते और आत्मविश्वास खो देते हैं। इसके साथ ही, शिक्षा का यह बोझ उनकी सृजनात्मकता को भी खत्म कर रहा है। खेल-कूद और अन्य रचनात्मक गतिविधियों के लिए समय का अभाव उनकी रचनात्मक सोच को दबा देता है।

शारीरिक स्वास्थ्य पर भी यह बोझ हानिकारक प्रभाव डाल रहा है। भारी बस्तों और लंबे समय तक बैठकर पढ़ाई करने से उनकी शारीरिक फिटनेस प्रभावित हो रही है। इस दबाव के कारण बच्चे समाज और परिवार से भी दूर हो रहे हैं।

व्यस्त दिनचर्या और पढ़ाई की अपेक्षाओं के कारण वे अपने परिवार और दोस्तों के साथ समय नहीं बिता पाते जिससे उनका सामाजिक विकास बाधित हो रहा है। इन समस्याओं का समाधान घर और स्कूल के सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। सबसे पहले माता-पिता और शिक्षकों को बच्चों की रुचियों और क्षमताओं को समझने का प्रयास करना चाहिए। बच्चों के विकास को उनके स्वाभाविक कौशल के अनुसार प्रोत्साहित करना ही बेहतर शिक्षा का आधार बन सकता है। पढ़ाई और अन्य गतिविधियों के बीच संतुलन बनाना भी जरूरी है। बच्चों को खेलने और आराम करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए। बच्चों के साथ सकारात्मक संवाद स्थापित करना भी उनकी मानसिक स्थिति को बेहतर बनाता है। जब माता-पिता और शिक्षक बच्चों की परेशानियों को सुनते हैं और उन्हें प्रोत्साहन देते हैं तो यह उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने में मदद करता है। बच्चों को स्वतंत्रता और प्रेरणा देना भी महत्वपूर्ण है। उन्हें अपने फैसले लेने और गलतियां करने की आजादी मिलनी चाहिए ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और सीखने की प्रक्रिया को बेहतर तरीके से समझ सकें। हमें यह समझना होगा कि दक्षता का अर्थ केवल अंक और उपलब्धियां नहीं हैं। हर बच्चा अपने आप में एक अनोखा व्यक्तित्व है जिसकी अपनी क्षमताएं और रुचियां होती हैं। शिक्षा का उद्देश्य बच्चों को स्वतंत्र, रचनात्मक और खुशहाल बनाना होना चाहिए न कि उन्हें केवल मशीनों की तरह काम करने के लिए तैयार करना। ऐसे माहौल की आवश्यकता है जहां बच्चे अपनी पूरी क्षमता के साथ आगे बढ़ सकें। यह न केवल उनके बचपन को बचाने में मदद करेगा बल्कि हमारे समाज और भविष्य को भी उज्ज्वल बनाएगा।

62 शिक्षक होंगे 31 मार्च को होगे सेवानिवृत्त

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात । बेसिक शिक्षा विभाग की ओर से संचालित प्राथमिक, उच्च प्राथमिक और कम्पोजिट विद्यालयों में कार्यरत 62 शिक्षक 31 मार्च 2025 को 62 वर्ष की सेवा पूरी करने के बाद सेवानिवृत्त हो रहे हैं। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार मिश्रा ने बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत 62 वर्ष पूरा करने के बाद सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों को विद्यालय के वरिष्ठ सहायक अध्यापक को सम्पूर्ण चार्ज दिए जाने का आदेश जारी किया है।

उन्होंने सेवानिवृत्त देयकों के भुगतान की पत्रावली सम्बंधित खण्ड शिक्षाधिकारी के माध्यम से बीएसए ऑफिस में उपलब्ध कराने का निर्देश भी दिया है। बीएसए की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि 31 मार्च 2025 में सेवानिवृत्त होने वालों में 34 प्रधानाध्यापक और 28 सहायक अध्यापक शामिल हैं। सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों में 48 शिक्षक पुरानी पेंशन एवं 14 शिक्षक नई पेंशन के हकदार हैं।

एक नजर से सेवानिवृत होने वाले शिक्षकों सूची

सेवानिवृत होने वाले शिक्षकों का विवरण

उ0प्रा0वि0 स्तर-प्रधानाध्यापक - 25
उ0प्रा0वि0 स्तर-सहायक अध्यापक - 25
प्रा0वि0 स्तर- प्रधानाध्यापक - 09
प्रा0वि0 स्तर- सहायक अध्यापक - 03
कुल सेवानिवृत शिक्षक = 62

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादक: अनूप कुमार **RNI No.:** UPHIN/2023/86769 | **Email:** swarajindia2023@gmail.com | **Mob:** 7800009853, | **Website:** www.swarajindianews.com | प्रधान संपादक रतन प्रकाश सिंह (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

गर्मी की दस्तक, गांवों में दम तोड़ चुके कई हैंडपंप

» जिम्मेदारों की अनदेखी से गांवों में लगे सरकारी हैंडपंप हो गए खराब, कागजों में मरम्मत

» गर्मी की शुरुआत होते ही ग्रामीणों को सताने लगी जल संकट की समस्या।

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। ब्लॉक अकबरपुर की ग्राम पंचायत तिगांई में आधा दर्जन से अधिक हैंडपंप खराब पड़े हैं। भीषण गर्मी का मौसम शुरू हो चुका है, लेकिन स्थानीय जिला प्रशासन व प्रधान द्वारा इनको ठीक नहीं कराया गया। ऐसे में लोगों को प्यास बुझाने के लिए भटकना पड़ रहा है।ग्रामीण क्षेत्र में तो लोग प्यास बुझाने के साथ ही इन हैंडपंपों से घरेलू काम भी निपटाते हैं। फिर भी जिला प्रशासन हैंडपंपों की सुध नहीं ले रहा है। ग्रामीण ग्राम पंचायत में सरकारी हैंडपंप अनदेखी के चलते खराब है।सर्दी का मौसम खत्म होते ही लोग भीषण धूप व गर्मी से परेशान हैं। ऐसे में लोग शुद्ध पेयजल तक के लिए तरस रहे हैं।

कहने को तो ग्राम पंचायत तिगांई में इंडिया मार्का हैंडपंप बड़ी संख्या में लगे हैं, लेकिन अधिकांश खराब पड़े हैं। ऐसे में पेयजल संकट लोगों को प्रभावित कर रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि ब्लाक अकबरपुर में शिकायत के बाद भी जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे। जबकि शासन से निर्देश दिए गए थे कि गर्मी शुरू होने से पहले ही खराब हैंडपंपों की मरम्मत करा दी जाए। जो रिबोर लायक हैं, उनका रिबोर करा दिया जाए। ताकि गर्मी में पेयजल संकट का सामना लोगों को न करना पड़े। लेकिन ब्लाक अकबरपुर के अधिकारी कान बंद किए हैं।गांव की साढ़े पांच हजार की आबादी पर 30 से अधिक इंडिया मार्का हैंडपंप लगे हैं। इनमें से आधे से अधिक खराब हैं।

कई हैंडपंप हेड विहीन हैं। कुछ रीबोर कराने लायक हैं। रीबोर कराने वाले हैंडपंपों से दूषित पानी आ रहा है। लोग मजबूरी में दूषित पानी पीने को विवश हैं। धीरे धीरे गर्मी चरम पर पहुंच रही है, हैंडपंपों की मरम्मत को लेकर जिम्मेदार सजग नहीं हैं। सार्वजनिक स्थलों पर हैंडपंप खराब होने से अधिक दिक्कतें हो रही हैं। ग्रामीणों की शिकायतों को नजर अंदाज किया जा रहा है।वहीं स्वराज इंडिया टीम द्वारा जब ग्रामीणों से गांव में इन खराब हैंडपंप के बारे में बात की गई तो ग्रामीणों ने बताया गांव के अंदर कई हैंडपंप लगभग तीन माह से खराब है। बहुत दिक्कतें होती हैं।वहीं गांव में बने प्राथमिक प्राइमरी विद्यालय द्वितीय के बाउंड्री के अंदर लगा नल काफी समय से खराब है जिससे स्कूली बच्चों को भी पानी के लिए काफी दिक्कत होती है। वहीं बच्चों से बात की तो बच्चों ने बताया कि खराब हैंडपंपों के प्रति जिम्मेदार लापरवाही बरत रहे हैं। वहीं गांव के कासिम, सद्दाम, आदि का कहना है कि मोहल्ले का हैंडपंप काफी समय से खराब पड़ा हैं। वहीं कुछ हैंडपंप खारा या बदबूदार पानी दे रहे हैं। ऊंचे स्थान पर आए दिन जलापूर्ति प्रभावित रहती है। जलापूर्ति के अभाव में नागरिकों को पेयजल किल्लत से जूझना पड़ता है। दैनिक कार्यों में भी दूषित पानी का उपयोग करने को मजबूर होना पड़ता है। इससे बीमारियां फैलने का अंदेशा है। कई बार शिकायत के बाद भी खराब हैंडपंपों को ठीक कराने की सुधि नहीं ली गई। गर्मी का मौसम बढ़ता जा रहा है और ग्रामीणों की जल संकट की समस्या भी ऐसे में जिम्मेदारों की अनदेखी के चलते खराब पड़े हैंडपंप की ओर जरा भी सुध नहीं ली जा रही है जिससे ग्रामीणों में आक्रोश उत्पन्न हो रहा है।

क्या बोले खंड विकास विकास अधिकारी अकबरपुर.....

इस मामले को लेकर बीडीओ प्रतिभा सिंह से बात की तो उन्होंने बताया कि जानकारी मिली है।जल्द ही जांच कराकर खराब पड़े हैंडपंप की मरम्मत करवाई जाएगी लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं होगी।

घाटमपुर में यातायात पुलिस ने चलाया सड़क सुरक्षा - जीवन सुरक्षा अभियान

कानपुर। घाटमपुर नगर के प्रमुख चौराहे में घाटमपुर यातायात पुलिस ने सड़क सुरक्षा जीवन सुरक्षा अभियान के तहत दो पहिया वाहन सवार लोगों को यातायात नियमों का पाठ पढ़ाया। बिना हेलमेट लगाए दो पहिया वाहन चालकों को सख्त हिदायत दी और उन्हें निशुल्क हेलमेट प्रदान किया। यातायात इंस्पेक्टर रवींद्र सिंह ने बताया कि इस अभियान के तहत नगर में बाइक सवार चालकों का हेलमेट देकर यातायात नियमों से अवगत कराया गया। बताया गया कि जीवन बहुत अनमोल है। यह आपकी सुरक्षा के लिए है तथा हेलमेट लगाने से दुर्घटना में सर की चोटों से बचा जा सकता है। इस दौरान टीएसआई देश दीपक संजीव आदि उपस्थित रहे।

औरैया दिलीप हत्याकांड में सम्मिलित आरोपियों के साथ पुलिस मुठभेड़

शादी के 15 दिन बाद ही पत्नी ने करवा दी थी अपने पति की हत्या

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

औरैया। औरैया जिले में हुए देश के चर्चित दिलीप हत्याकांड में एक और बड़ी कार्रवाई हुई है। पुलिस ने दो इनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया है, जो दिलीप हत्याकांड में शामिल थे। यह गिरफ्तारी सहार थाना क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान हुई मुठभेड़ के बाद हुई है।गिरफ्तार किए गए दोनों व्यक्ति जनपद औरैया के ही रहने वाले हैं,

जिनके नाम दुर्लभ उर्फ पिंटू और शिवम हैं। दोनों पर 25-25 हजार रुपए का इनाम भी था। मुठभेड़ के दौरान दोनों व्यक्तियों के पैरों में गोली लगी और उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस अधीक्षक अभिजीत आर शंकर ने इस मामले में बयान दिया है। यह कार्रवाई पुलिस की सक्रिय कार्रवाई के चलते हुई है, जिसमें पत्नी प्रगति और उसके प्रेमी मनोज यादव द्वारा रची गई साजिश में शामिल लोगों को

स्वराज इंडिया
अपना प्रदेश
10

शादी के15 दिन बाद ही पत्नी ने करा दी पति की हत्या

मार्च को हुई थी मृतक की शादी
लाख रुपए में पत्नी ने दी थी बारात वाले

गिरफ्तार किया जा रहा है। दिलीप हत्याकांड में आरोपी प्रगति उसका प्रेमी अनुराग एवं सुपारी किलर रामजी नागर को पुलिस पहले ही जेल भेज चुकी है।

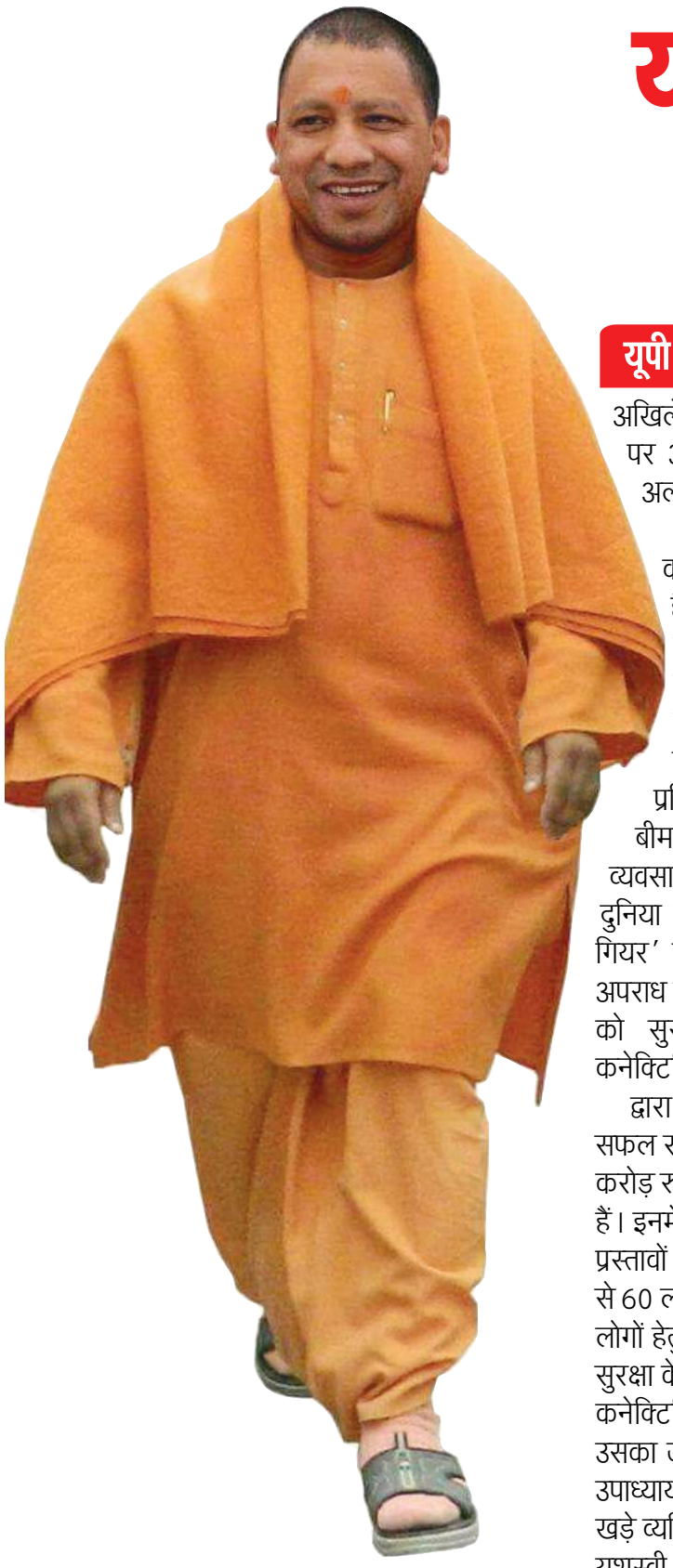

योगी सरकार के आठ साल वाह से आह तक...!

यूपी में सबसे अधिक समय तक मुख्यमंत्री बने रहने का रिकार्ड भी योगी के नाम हो गया है

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने अपने दूसरे कार्यकाल के तीन वर्ष पूरे कर लिये हैं,जबकि कुल मिलाकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपना आठ साल पूरा कर चुके हैं। यूपी में सबसे अधिक समय तक मुख्यमंत्री बने रहने का रिकार्ड भी योगी के नाम हो गया है। करीब 24 करोड़ आबादी को यदि योगी से पूर्व की सरकारों के तौर तरीकों की याद होगी तो वह जानते होंगे कि आठ साल पहले प्रदेश का क्या हाल था। यूपी की गणना बीमारू राज्य के रूप में होती थी। साम्प्रदायिक हिंसा,संगठित अपराध,दबंगई के बल पर जमीन पर कब्जा अखिलेश सरकार की पहचान थी। आतंकवादियों के मुकदमें वापस लिये जाते थे ।तुष्टिकरण समाजवादी सरकार की पहचान बन गई थी। दंगा पीड़ितों को उनका धर्म देखकर मुआवजा बांटने का कारनामा भी अखिलेश सरकार द्वारा किया गया था। सपा के नेता थानों तक में गुंडागर्दी करने से घबराते नहीं थे। आजम खान जैसे समाजवादी नेताओं की बदजुबानी के किस्से आम थे।हिन्दू देवी देवताओं का अपमान समाजवादी सरकार की आदत बन गई थी। हाल यह है कि आठ साल सत्ता से बाहर रहने के बाद भी अखिलेश की राजनीति नहीं बदली है। विकास के नाम पर अखिलेश एक्सप्रेस वे और लखनऊ में मेट्रो के अलावा कुछ नहीं गिना पाते थे।

एक वह दौर था जब प्रदेश की जनता त्राहिमाम कर रही थी तो अब फाइलों में विकास नहीं उलझता है,बल्कि जमीन पर फलफूल रहा है।अपराधी ठोके जा रहे हैं। भू माफियाओं से कब्जाई जमीन वापस ली जा रही है। संगठित अपराध करने वालों को चुन चुनकर मिटाया जा रहा है। मगर पिछले आठ वर्षों में उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने राज्य के प्रति धारणा बदलने में सफलता प्राप्त की है। कभी बीमारू राज्य कहा जाने वाला उत्तर प्रदेश आज व्यवसाय एवं निवेश का सर्वश्रेष्ठ ठिकाना बनकर देश और दुनिया में पहचाना जा रहा है। उत्तर प्रदेश आज 'ग्रोथ गियर' है। हमें विरासत में अराजकता, अव्यवस्था और अपराध के अंधकार में डूबा हुआ प्रदेश मिला था।ऐसे राज्य को सुरक्षित परिवेश, मजबूत इन्फ्रास्ट्रक्चर, सुगम कनेक्टिविटी और उद्यम अनुकूल नीतियों

द्वारा निवेशकों का ड्रीम डेस्टिनेशन बनाने में हम लोग सफल रहे। विगत आठ वर्षों में प्रदेश को प्राप्त हुए 45 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव इसकी पुष्टि करते हैं। इनमें से 15 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्तावों को धरातल पर उतारा जा चुका है। इनके माध्यम से 60 लाख से अधिक युवाओं को नौकरी तथा अन्य लाखों लोगों हेतु रोजगार का सृजन हुआ है। स्थापित सत्य है कि सुरक्षा के सुपथ पर ही विकास कुलांचे भरता है और सुगम कनेक्टिविटी उसे तीव्रता प्रदान करती है। 'नया उत्तर प्रदेश' उसका जीवंत उदाहरण है।महान चिंतक पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने कहा था कि समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति का विकास ही अंत्योदय है। प्रधानमंत्री मोदी के यशस्वी मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार की हर योजना में यह भाव श्वास लेता है। यही कारण है कि बीते आठ वर्षों में प्रदेश सरकार ने छह करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी रेखा से ऊपर उठाने में सफलता प्राप्त की है।

मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, निराश्रित महिला पेंशन योजना, प्रधानमंत्री मातृ वंदन योजना, पी.एम.स्वनिधि योजना जैसी अनेक कल्याणकारी योजनाएं मातृशक्ति के जीवन में सकारात्मकता का सवेरा लेकर आई हैं। ग्रामीण क्षेत्र की 95 लाख से अधिक महिलाओं को ग्रामीण आजीविका मिशन से जोड़ने के साथ ही सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत महिला स्वयं सहायता समूहों को 2,510

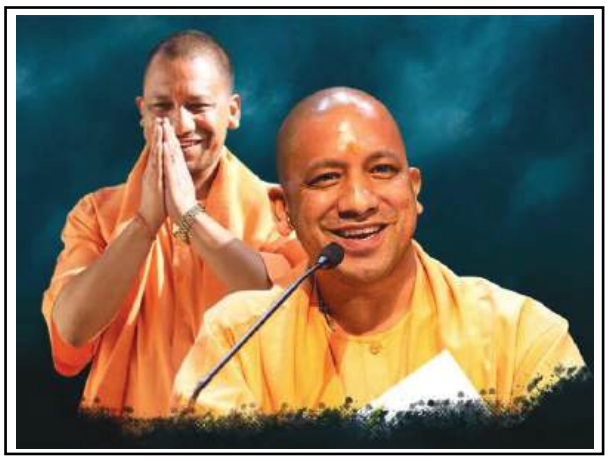

उचित मूल्य की दुकानों का आवंटन, ग्रामीण आवासीय अभिलेख (घरौनी) घर की महिला के नाम आदि जैसी रचनात्मक पहल नारी शक्ति के जीवन में सम्मान और आर्थिक प्रगति का प्रतीक हैं।प्रदेश में 96 लाख से अधिक एमएसएमई इकाइयों ने युवाओं को जॉब सीकर से जॉब क्रिएटर बनाने का युगांतरकारी कार्य किया है। वर्ष 2016 में प्रदेश की बेरोजगारी दर 18 प्रतिशत थी जो अब तीन प्रतिशत है। निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के जरिये विभिन्न आयोगों एवं भर्ती बोर्ड द्वारा साढ़े आठ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी मिली।

आठ वर्ष हमारी आस्था, अस्मिता, आर्थिकी और सांस्कृतिक चेतना के उन्नयन का ऐतिहासिक कालखंड है।सबसे बड़ी बात यह है कि बीते आठ वर्षों में प्रदेश में एक भी नया टैक्स नहीं लगाया गया। प्रदेश में डीजल-पेट्रोल दरें देश में सबसे कम हैं। इसके बाद भी उत्तर प्रदेश राजस्व सरप्लस स्टेट के रूप में समृद्धि के नए सोपान चढ़ रहा है।

इस सफलता के पीछे रामराज्य की अवधारणा ही है। खैर,योगी राज में तमाम अच्छे कार्य हो रहे हैं तो कहा यह भी जा रहा है कि प्रदेश की सत्ता योगी तक केन्द्रित हो कर रह गई है। योगी सरकार ने निवेश आकर्षित करने और नए उद्योगों को स्थापित करने की दिशा में कई कदम उठाए, लेकिन बेरोजगारी की समस्या अभी भी बनी हुई है। सरकारी भर्तियों में देरी, पेपर लीक की घटनाएं और युवाओं को अपेक्षित संख्या में नौकरियां न मिलना एक बड़ी चुनौती रही है। वहीं योगी सरकार ने भ्रष्टाचार पर नकेल कसने के दावे काफी किए, लेकिन कई विभागों में रिश्वतखोरी और सरकारी अधिकारियों की मनमानी की शिकायतें बनी हुई हैं। खासकर तहसील, थाने और नगर निकायों में भ्रष्टाचार की शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं।

» समस्याओं पर नहीं हो पा रहा अमल

पेट्रोल-डीजल, खाद्य पदार्थों और रोजमर्रा की चीजों की महंगाई बढ़ी है। गन्ना किसानों को समय पर भुगतान न मिलने, फसलों के उचित दाम न मिलने और बिजली की बढ़ती दरों से किसान परेशान रहे हैं। सरकार ने अपराधियों पर कार्रवाई के लिए 'ठोक दो' नीति अपनाई, लेकिन पुलिस की मनमानी, फर्जी एनकाउंटर और निर्दोष लोगों पर अत्याचार के आरोप भी लगे। थानों में दलितों, पिछड़ों और गरीबों की सुनवाई न होने की शिकायतें अक्सर आती रही हैं।

योगी सरकार की बुलडोजर नीति को एक तरफ सख्त कार्रवाई का उदाहरण बताया जाता है, लेकिन विपक्ष इसे पक्षपातपूर्ण और गरीबों के खिलाफ करार देता है। कई मामलों में बिना कानूनी प्रक्रिया पूरी किए ही घरों और दुकानों को ढहा दिया गया, जिससे विवाद हुआ। उधर, कई सरकारी योजनाओं की घोषणाएं हुईं, लेकिन उनका लाभ सभी जरूरतमंदों तक नहीं पहुंच पाया। पीएम आवास योजना, मुफ्त राशन योजना और स्वरोजगार योजनाओं में भ्रष्टाचार और भेदभाव की काफी शिकायतें सामने आईं हैं।कुल मिलाकर योगी सरकार की वाह-वाह भी खूब हो रही है,वहीं कुछ लोगों को लगता है कि योगी राज में जनता कराह रही है।उसकी आह को कोई सुनने वाला नहीं है।

विकसित भारत युवा संसद महोत्सव में 240 युवा विधान भवन में देंगे भाषण

सतीश महाना बोले-सीएम योगी मैनेजमेंट के शिल्पकार

» लखनऊ, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

राजधानी लखनऊ में शुक्रवार से विधान भवन में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के तत्वावधान में विकसित भारत युवा संसद महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसके तहत अगले दो दिन में 240 युवा विधानसभा में भाषण देंगे। इनमें से तीन सर्वश्रेष्ठ युवा संसद जाएंगे। इसका उद्देश्य 18 से 33 वर्ष के युवाओं की आवाज को सुनना है। साथ ही युवाओं में निर्णय लेने की क्षमता विकसित करना है।

देश की हर विधानसभा में ये कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। लखनऊ विधानसभा में 240 युवाओं को चुना गया। जिला स्तर पर 24 नोडल केंद्रों में हर जिले के 150 युवाओं को बुलाया गया था। विषय था वन नेशन और वन इलेक्शन। राज्य स्तर पर दो विषय रखे गए हैं। यहां से चुने गए सर्वश्रेष्ठ तीन युवा संसद में पीएम नरेंद्र मोदी के सामने बोलेंगे। इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने राज्य स्तरीय विकसित भारत युवा संसद में आए हुए युवाओं का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि विधानसभा में नेगेटिव का परसेप्शन गलत है। आज सदन में डॉक्टर्स, इंजीनियर्स, व्यापारी, अधिकारी आदि रह चुके हैं। 40 साल में सदन को लेकर बनी नकारात्मकता आज दूर हुई है।

उन्होंने आगे कहा कि पहले यूपी के युवा पहचान छिपाते थे। आज गर्व से बताते हैं कि मैं उत्तर प्रदेश से हूं। आज मीडिया जनता के सामने विधानसभा का नया स्वरूप ला रहा है। लाइफ में टाइम मैनेजमेंट और कमिटमेंट जरूरी है। लोग अच्छे और खराब हो सकते हैं, लेकिन संस्थाओं का सम्मान बना रहना चाहिए।

संविधान कर्तव्यों का बोध कराता है

इस मौके पर कुंवर मानवेंद्र सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम युवाओं को संसद और विधानमंडल कार्यवाही समझने का मंच है। युवा केवल विकास के लाभार्थी ही नहीं बल्कि सारथी हैं। भारत को 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए ध्यान केंद्रित करना होगा। हमारे पास सबसे बड़ी युवा जनसंख्या है। सही दिशा देकर भारत को विकसित बना सकते हैं। हमारा संविधान हमें कर्तव्यों का भी बोध कराता है।

लोकबंधु अस्पताल पहुंचे सीएम योगी, दिए बेहतर इलाज के निर्देश

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को लोक बंधु अस्पताल पहुंचे। जहां फूड प्वॉजनिंग की वजह से बीमार 14 बच्चों का हाल जाना। सीएम ने एक-एक करके सभी बच्चों के पास जाकर उनके बात की। इसके साथ ही अस्पताल प्रशासन को बच्चों के बेहतर इलाज करने के निर्देश दिए। वहीं लखनऊ के डीएम विशाख जी को भी निष्पक्ष जांच करने के भी निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने एक बच्चे से पूछा कि तबीयत ठीक है, फिर यह भी पूछा कि पहचान रहे हो, बच्चे ने दोनों हाथ उठाकर अपनी सहमति जतायी। अधिकारियों ने कहा, ''मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बारी-बारी से बच्चों के बिस्तर के पास गये और गंभीर स्थिति में दिख रहे बच्चों के बारे में चिकित्सकों से भी जानकारी प्राप्त की।'' जब एक बच्चे के बिस्तर के पास मुख्यमंत्री पहुंचे तो बच्चे को मुस्कुराते देखा गया। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि बैठ जाओ जिसके बाद बच्चा बैठ गया। उन्होंने उसका नाम पूछा और प्रोत्साहित किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने बच्चों के उपचार में लगे चिकित्सकों की टीम से भी बातचीत की। योगी के साथ प्रशासनिक अधिकारी भी मौजूद थे।

श्रेयस तलपड़े, आलोकनाथ समेत 15 पर एफआईआर

चिटफंड कंपनी बनाकर कर डाली करोड़ो की ठगी

» महोबा, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

उत्तर प्रदेश के महोबा में चिट फंड कंपनी के नाम पर करोड़ों रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। इस मामले में बॉलीवुड अभिनेता श्रेयस तलपड़े समेत 15 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज किया गया है। कंपनी ने ग्रामीणों को रकम दोगुनी करने का लालच देकर करोड़ों रुपये ठग लिए और फिर फरार हो गई। अपनी गाड़ी कमाई पाने के लिए निवेशक पुलिस और कोर्ट के चक्कर लगा रहे हैं।

आपको बता दें कि मशहूर बॉलीवुड एक्टर श्रेयस तलपड़े इस कंपनी में प्रोमोटर के पद पर काम कर रहे थे। उनके अलावा समीर अग्रवाल, सानिया अग्रवाल, आर. के. शेट्टी, संजय मुदगिल, ललित विश्वकर्मा, डालचंद्र कुशवाहा, सुनील विश्वकर्मा, सचिन रैकवार, कमल रैकवार, सुनील रैकवार, महेश रैकवार, मोहन कुशवाहा, जितेंद्र नामदेव और नारायण सिंह राजपूत के खिलाफ भी मुकदमा दर्ज किया गया है। जबकि इसी कंपनी में फिल्म एक्टर आलोकनाथ का नाम भी शामिल है।

पिछले 10 सालों से जिले में हो रहा था कंपनी का संचालन

एलयूसीसी (द लोनी अर्बन मल्टी स्टेट क्रेडिट एंड थ्रिफ्ट को-ऑपरेटिव सोसाइटी) नाम की इस कंपनी का संचालन पिछले 10 वर्षों से महोबा में हो रहा था। कंपनी के एजेंटों ने ग्रामीणों को निवेश पर दोगुना रिटर्न का लालच देकर उनसे बड़ी मात्रा में पैसा इकट्ठा किया। कंपनी द्वारा करोड़ों रुपये वसूलने के बाद फरार हो जाने से निवेशकों में हड़कंप मच गया। ठगी का शिकार हुए ग्रामीणों नारायण दास, लखन,प्रकाश, किशोर ,देवेंद्र, रमेश बृज गोपाल अनिल, ईशान मंसूरी आदि लोगों ने श्रीनगर थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने धारा 419 और 420 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है और आरोपियों की तलाश जारी है।

महोबा शहर के समदनगर मोहल्ले में रहने वाला 24 वर्षीय ईशान मंसूरी बाइक मिस्त्री है, जिसने थोड़े-थोड़े रुपए जोड़कर एलयूसीसी कंपनी में मशहूर एक्टर श्रेयस तलपड़े, आलोकनाथ आदि के नाम और चेहरे देखकर भरोसे में जमा कर दिए। उसे कंपनी में इसलिए भरोसा हुआ क्योंकि उक्त कंपनी के साथ बड़े बॉलीवुड एक्टर के नाम भी जुड़े हुए थे। वर्ष 2022 में ईशान ने अपने खर्चों में कटौती कर तकरीबन दो लाख रुपए कंपनी में जमा कर दिए तो वहीं अन्य सहयोगियों के भी लगभग 8 लाख रुपए जमा करा दिए, लेकिन अचानक कंपनी डबल रुपए करने का भरोसा देकर फरार हो गई और अब ईशान आर्थिक संकट झेल रहा है। ईशान की ही तरह कई दिहाड़ी मजदूर अपना पैसा वापस पाने के लिए पुलिस के चक्कर लगा रहे हैं। वाहन चालक मकबूल का भी हाल बुरा है। उसने भी अपने सामान्य खर्चों में कटौती कर कंपनी में तकरीबन साढ़े 6 लाख रुपए जमा कर दिए थे और अब उसका पैसा भी डूब गया है।

बाराबंकी के डिस्ट्रिक्ट जज पंकज कुमार सिंह का हार्ट अटैक से निधन

इसी वर्ष 30 जून को था रिटायरमेंट

» बाराबंकी, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

बाराबंकी के जिला एवं सत्र न्यायाधीश पंकज कुमार सिंह का आज सुबह करीब 3 बजे हृदयगति रुकने से आकस्मिक निधन हो गया। 8 जुलाई 2024 से जिला जज बाराबंकी के तौर पर अपनी सेवाएं प्रदान कर रहे करीब 60 वर्षीय जिला जज पंकज सिंह आगामी 30 जून 2025 को रिटायर होने वाले थे। निधन की सूचना मिलते ही न्यायायिक अधिकारियों व अधिवक्ताओं समेत कचहरी परिसर में शोक की लहर दौड़ गई।मूल रूप से आजमगढ़ जनपद के निवासी पंकज सिंह साल 2011 में एडीजे के तौर पर न्यायायिक सेवा में आए थे। जनपद बाराबंकी में तैनाती से पहले वह उन्नाव, आगरा, लखनऊ और बुलंदशहर समेत अन्य जनपदो में अपनी सेवाएं दे चुके थे।

उनके आकस्मिक निधन पर गहरा दुःख प्रकट करते हुए जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष हिसाल बारी किदवई ने कहा कि न्यायपालिका में कुछ नाम ऐसे होते हैं, जो अपने कार्यों से एक अमिट छाप छोड़ जाते हैं। जिला जज पंकज सिंह उन्हीं में से एक थे। न्याय के प्रति उनका समर्पण, वादकारियों और अधिवक्ताओं के प्रति संवेदनशीलता और निष्पक्ष फैसलों की प्रतिबद्धता ने उन्हें एक न्यायाधीश से बढ़कर, एक लोकप्रिय और प्रेरणादायक व्यक्तित्व बना दिया था।

वहीं वरिष्ठ अधिवक्ता अनूप कुमार यादव ने कहा कि इतने सालों की प्रैक्टिस में ऐसे न्यायाधीश बहुत कम देखे, जो न्याय की प्रक्रिया को सुगम और पारदर्शी बनाकर काम करे। वह हमेशा त्वरित न्याय देने में अग्रणी रहे और सभी के लिए सुलभ थे। वे केवल एक कुशल न्यायाधीश ही नहीं, बल्कि एक ऐसे इंसान भी थे जिनके पास कोई भी वकील, वादकारी या कर्मचारी बिना किसी झिझक के अपनी बात रख सकता था।

उनके दरवाजे न्याय की तलाश में आने वाले हर व्यक्ति के लिए खुले रहते थे। जिला जज के निधन की सूचना मिलने के बाद राज्यमंत्री सतीश शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष राजरानी रावत, वरिष्ठ अधिवक्ता संतोष सिंह, सुरेश गौतम, कौशल किशोर त्रिपाठी, डीएम शशांक त्रिपाठी, एसपी दिनेश कुमार सिंह और एडीएम डॉ. अरुण कुमार सिंह ने उनके आवास पहुंचकर श्रद्धांजलि दी।